Afroz

अफ्रोज़ खां

Written By
Amjad Khan

Initial Draft

SCREENWRITERS ASSOCIATION

1. **INT. ROOM, STUDY TABLE - MORNING**

कमरे के एक कोने मे study table लगी है, टेबल से ठिक लगी हुयी दीवार पर काफी सारे Sticky Notes लगे हुए है। **AFROZ KHAN** (40M) एक के बाद एक Sticky Notes को देखते हुए उन्हे याद करने की कोशिश कर रहा है।

AFROZ
(recite)
Iron pillar of Delhi -
Vikramaditya..

INSERT - हम देखते है, एक sitcky note जो की बाकी नोट्स से थोड़ा अलग हटकर कोने मे लग रहा है, पर लिखा है। 'Who is Salma?'

कमरे के दूसरे कोने मे, एक बेड है जिस पर **ASLAM** (7M) and **ZUBEDA** (6F) मस्ती कर रहे है।

कमरे के तीसरे कोने मे एक attached toilet है, toilet का door open होता है -

AFROZ (CONT'D)
(to wife)
इन्हे थोड़ी देर और बाहर नहीं रोक सकती थी ?

- अफ़रोज़ की wife **PARVEEN BANO** (35F) अपनी सलवार का नाड़ा बांधते हुए toilet से बाहर आती है।

PARVEEN
(laugh)
थोड़ी देर और रोकती तो सलवार भी धोना पड़ती।

परवीन बच्चों को देखते हुए।

PARVEEN (CONT'D)
असलम जूबेदा बेटा बाहर खेलों अब्बू को disturb हो रहा है।

दोनों बच्चे खैलते हुए बाहर भाग जाते है। परवीन प्लास्टिक के मग्गे से बाल्टी मे से पानी लेकर हाथ धो रही है। साथ ही दीवार पर लगी घड़ी मे टाइम देखते हुए।

PARVEEN (CONT'D)
टाइम हो गया है आपका।

अफ़रोज़ जल्दी-जल्दी नोट्स देख रहा है।

Registered@www.swaindia.org
2023-02-26 17:13:58
©Amjad Khan
SWA Membership Number:42295

AFROZ
पाँच minutes लेट पहुँचूगा चल जाएगा पर question
एक भी छूटना नहीं चाहिए।

परवीन कमरे के चोथे कोने मे जाती है, जहां एक पुराने furniture से एक kitchen बनाया गया है।

PARVEEN
एक-आद रात यार-दोस्तों को छोड़ देते तो एक question
भी नहीं छूटता।

परवीन अफ़रोज़ के लिए टिफ़िन ready करते हुए। जबकि अफ़रोज़ घड़ी देखते हुए कुछ sticky notes निकालकर हाथ मे ले लेता है।

AFROZ
भाईसाहब के यहाँ की पूरी शादी छोड़ दी.. और कितना
compromise करू तुम लोगों के लिए?

टेबल छोड़ता है और परवीन से टिफ़िन बॉक्स लेता है।

AFROZ (CONT'D)
(kissing her)
चल निकलता हूँ।

ठिक तभी ज़ूबेदा भागते हुए अंदर आती है वो बहुत घबरायी हुए है।

ZUBEDA
अम्मी भाईजान का सिर फट गया।

उसके ठिक पीछे असलम रोता हुआ आता है, उसके सिर से काफ़ी blooding हो रही है।

ASLAM
अम्मी...

परवीन और अफ़रोज़ दोनों एकदम से असलम को संभालते है, खून काफ़ी बह रहा है।

AFROZ
(panic)
कितनी बार तुझे कहा है बच्चों का ध्यान रखने का।

अफ़रोज़ असलम के सिर को हाथ से दबाकर पकड़ता है जिससे उसकी शर्ट की आस्तीनों पर भी खून लग जाता है।

Registered@www.swaindia.org
2023-02-26 17:13:58
©Amjad Khan
SWA Membership Number:42295

PARVEEN
आप .. आप जाइए .. आपका exam miss हो जाएगा।

AFROZ
तू भाई साहब को फोन लगा।

परवीन एकदम से किचन मे से फोन उठाकर अफ़रोज़ के बड़े भाई को आतिफ को call करती है।

2. **EXT. COLONY, AMIL'S HOME - CONTINUOUS**

AATIF (45) घर के आँगन मे कुर्सिया लगवा रहा है। घर को दुल्हन की तरह सजाया गया है।

AATIF
(instruct)
यहाँ लगाओ -

कुर्सी लगाने वाला एक जगह से कुर्सी उठाता है और दूसरी जगह रखता है। जबकि आतिफ अपने जेब से फोन निकालकर attend करता है।

AATIF (CONT'D)
Hello.

3. **INT. ROOM - CONTINUOUS**

जैसे ही फोन connect होता है, परवीन फोन पर जवाब देते हुए, फोन को स्पीकर मोड पर करते हुए अफ़रोज़ के सामने फोन करती है।

PARVEEN
हाँ भाईसाहब, ये लो बात करो।

AFROZ
He.. Hello भाई साहब -

AATIF (V.O.)
(scold)
तू अभी तक घर पर ही है, इग्ज़ैम के बाद हाल पहुंचेगा ?

दोनों पति-पत्नी एक दूसरे का मुह देखते है।

AFROZ
भ.. भाई साहब बस निकल ही रहा था कि असलम ने सिर फोड़ लिया, बहुत खून बह रहा है।

Registered@www.swaindia.org
2023-02-26 17:13:58
©Amjad Khan
SWA Membership Number:42295

AT THE WEDDING HOME - आतिफ फोन पर बात करते हुए फ़िर से कुर्सी वाले को इशारे से बताता है कि यहाँ नहीं वहाँ, कुर्सी वाला कुर्सी उठाकर वापस वही रखता है जहां पहले कुर्सी रखी हुयी थी।

आतिफ फोन पर बात करते हुए बाहर की तरफ़ निकल जाता है

AATIF
परवीन को बोल ऑटो से Dr शर्मा के यहाँ पहुंचे, मे पहुँच रहा हूँ और तू इग्ज़ैम के लिए निकल।

जबकि कुर्सी वाला कुर्सी की पज़िशन देखता है की कुछ भी तो फ़र्क नहीं पड़ा। तभी घर का दूसरा बंदा उसके पास से गुजरता है और उसे instruct करता जाता है कुर्सी यहाँ नहीं वहाँ लगा।

AT AFROZ'S HOME - फोन disconnect होता है, तभी बाहर से आवाज आती है।

HANIF (O.S.)
अफ्फू!

PARVEEN
आ... आप जाइए, मे सभाल लूँगी।

अफ़रोज़ असलम के सिर से हाथ हटाता है साथ ही परवीन खून रोकने के लिए असलम के सिर पर हाथ रखती है और अफ़रोज़ स्पीड से बाहर निकलता है।

4. **EXT. SLUM, AFROZ'S HOME - CONTINUOUS**

HANIF HATELA (41M) पुरानी यामाहा बाइक पर अफ़रोज़ का वैट कर रहा है। अफ़रोज़ को बाहर आता देखकर।

HANIF
क्या मिया उधर चाय की टपरी पर मे तेरा वैट कर रहा घंटे भर से और तुम जोरू की गोद से बाहर नहीं आ रहे।

अफ़रोज़ काफ़ी जल्दी मे बाइक पर बैठता है।

AFROZ
चल-चल बड़ा जल्दी, लेट हो गया है।

बिना साइलेन्सर की पुरानी बाइक धुआ छोड़ती हुयी काफ़ी स्पीड से एक तरफ़ दौड़ पड़ती है।

5. **EXT. BIKE - LATER**

खजराना की गलियों से होते हुए बाइक highway पर आ जाती है। पीछे बैठा हुआ अफ़रोज़ नोट्स रट रहा है

Registered@www.swaindia.org
2023-02-26 17:13:58
©Amjad Khan
SWA Membership Number:42295

ठिक तभी बाइक सड़क के किनारे एक पुराने कबाड़े की दुकान पर रुकती है। अफ़रोज़ कुछ कहे उससे पहले, हनीफ़ काफ़ी स्पीड से बाइक से उतरकर, काउन्टर पर बैठे चाचा को सलाम करता हुआ अंदर जाता है।

HANIF
असलाम अलेकुम..

दो minutes मे हनीफ़ वापस लौट रहा होता है, अपने आगे की जीन्स की पॉकेट मे कुछ रख रहा होता है।

AFROZ
भाई लेट हो रहा है।

बाइक पर बैठते हुए।

HANIF
अबे दो minutes मे तो आ गया।

AFROZ
काम्पिटिशन एक्सांम है भाई, एक-एक minute किमती है।

HANIF
मालूम मेरे को, दस साल हो गए तेरे को सेंटर छोड़ते-छोड़ते।

बाइक वापस से highway पर दौड़ पड़ती है। अफ़रोज़ वापस से नोट्स रटना शुरू कर देता है।

6. **I/E. EXAMINATION CENTER - LATER**

बाइक examination center पर पहुँचती है, अफ़रोज़ एकदम से बाइक से उतरकर अंदर की तरफ़ लपक लेता है।

A MOMENT LATER – हनीफ़ बाइक को मेन स्टैन्ड पर लगाकर बड़े आराम से बाइक पर बैठा है और पास से जाते हुए स्टूडेंट्स पर पेनी नज़र रखे हुए है। एक स्टूडेंट को देखते हुए।

HANIF
कैसा गया पेपर?

स्टूडेंट 'मस्त' कहते हुए निकल जाता है, रुकता नहीं।

INSERT – हनीफ़ के हाथ मे छोटा सा ड्रग्स का व्हाइट पैकेट है, जिसे वो छुपाये हुए है।

7. **INT. CLINIC - DAY**

डॉ शर्मा असलम के सिर मे टांके मार रहा है। आतिफ और परवीन असलम को दोनों तरफ़ से कसकर पकड़े हुए

SCREENWRITERS ASSOCIATION

Registered@www.swaindia.org
2023-02-26 17:13:58
©Amjad Khan
SWA Membership Number:42295

है। असलम बहुत जोर-जोर से चीखकर रोते हुए डॉ को गलिया दे रहा है। जैसे ही असलम गाली देता है, परवीन गालि को दबाने के लिए थोड़ी जोर से बोलती है।

PARVEEN
चुप चुप हो गया बस बस।

गाली सुनकर, आतिफ परवीन की तरफ़ बड़े ग़ुस्से से देख रहा है की बच्चे को बिगाड़ कर दो कोड़ी का कर दिया है। जबकि डॉ शर्मा आखरी स्टिच के धागे को काटते हुए।

DR SHARMA
(smile)
यार इतनी गाली तो तू तब भी नहीं दिया था जब तेरी खतना किया था।

असलम जोर से चीखता है, जैसे डॉ ने उसके पुराने जख्मों पर नमक छिड़क दिया हो।

A MOMENT LATER - डॉ ने असलम के सिर पर काफ़ी व्हाइट बैंडेज लपेट दी है जो की एक पगड़ी की तरह दिख रही है।

DR SHARMA (CONT'D)
बैंडेज थोड़ा ज्यादा लगा दिया है ताकि शादी मे लोग इससे दूर रहे।

परवीन असलम को उठाकर बाहर की तरफ़ लेती है। असलम थोड़ा शांत हो गया है।

AATIF
Lunch मे आ रहे हो न शर्मा जी।

DR SHARMA
(laugh)
अब पत्रिका दिए होते तो जरूर आता।

आतिफ थोड़ा शर्मिंदा महसूस कर रहा है, सोच मे पड़ गया है की क्या कहे।

AATIF
ऐसे कैसे पत्रिका नहीं दिए, मे खुद आपके नाम की पत्रिका लिखा हूँ।

DR SHARMA
शादी का माहोल है, भूल गए होंगे देना।

AATIF
मे जाकर अभी भिजवाता।

Registered@www.swaindia.org
2023-02-26 17:13:58
©Amjad Khan
SWA Membership Number:42295
SCREENWRITERS ASSOCIATION

DR SHARMA
अरे आतिफ कोई बात नहीं, तुमने कह दिया मे आ जाऊंगा।

8. **INT. AMIL'S HOME - DAY**

घर के बाहर आँगन मे तखत पर कुछ औरते जहांआरा के आसपास बैठी है, जिन्हे जहांआरा पान लगाकर दे रही है। तभी घर के सामने कार आकर रुकती है और उसमे से असलम को संभाले परवीन निकलती है। जैसे ही असलम की निगाहे दादी पर जाती है वो अपनी माँ का हाथ छुड़ाकर ऐसे भागता है जैसे कुछ हुआ ही नहीं।

PARVEEN
असलम संभलकर बेटा..

जूबेदा भी उछलते हुए अपने भाई के पीछे-पीछे दौड़ पड़ती है।

जहांआरा अपने पोते असलम को गोद मे लेकर सिने से लगा लेती है जैसे बरसों से उसी का इंतेजार कर रही थी। पास मे खड़ी जूबेदा एक टक उसे देख रही है।

JAHANAARA
(scold to zubeda)
बड़े भाई का सिर फुट गया, तू कहाँ मर गई थी?

जूबेदा समझ नहीं पाती है की क्या कहे। जहांआरा अपने खीसे से पचास रुपए निकालकर असलम को देती है, और साथ ही एक सिक्का जूबेदा को भी देती है।

JAHANAARA (CONT'D)
बादाम खाना जल्दी अच्छा हो जाएगा।

दोनों बच्चे पैसे लेकर घर मे अंदर की तरफ़ भाग जाते है। आतिफ और परवीन जहांआरा की तरफ़ बड़ते हुए

PARVEEN
असलम धीरे..

असलम और जूबेदा उसकी आँखों से औझल हो जाते है।

JAHANARAA
ध्यान रखना चाहिए न, शादी का घर है अभी ऊंच नीच हो जाती तो।

AAMIL
अम्मा क्या बोल रही हो –

दूर से **AAMIL** (48), बड़ी सी दाड़ी, सफ़ेद कुर्ते पैजामे मे आतिफ को आवाज देते हुए।

SWA SCREENWRITERS ASSOCIATION

Registered@www.swaindia.org
2023-02-26 17:13:58
©Amjad Khan
SWA Membership Number:42295

AAMIL (CONT'D)
अरे चल यार तू अभी तक –

आतिफ फोरन आमिल की तरफ़ दौड़ पड़ता है।

AATIF
आया भाई साहब।

JAHANARAA
(to parveen)
तुझे मना किया था न जाने से.. की यही सोजा।

PARVEEN
उन्हे सुबह जल्दी exam के लिए जाना था और रात मे पड़ायी करते टाइम भी काफ़ी चाय लगती है तो जाना पड़ा अम्मा।

JAHANARAA
और छोरे के सिर पर पूरा कफ़न बँधवाने की क्या जरूरत थी, सारे फोटो खराब करेगा। छोटी-मोटी पट्टी बनवाकर टोपी पहना देती।

PARVEEN
8 टांके आए है अम्मा पूरा सिर फट गया था।

JAHANARAA
4 टांके मे तो पूरी चड्डी सील जाती इसकि, कहाँ लगा दिए 8 टांके.. वो शर्मा के वही ले गया होगा ये आतिफ?

घर के दरवाजे से **निखत** (12)आवाज लगाती है।

NIKHAT
छोटे मुमानी ये असलम फ़िर झगड़ा कर रहा है।

परवीन स्पीड से अंदर की तरफ़ जाती है।

PARVEEN
या अल्लाह!

जहांआरा सुपारी निकालकर सतोरे से काटते हुए।

JAHANAARA
अपने वालों मे तो कोई है ही नहीं डॉ जैसे.. वो अपना डॉ मंसूरी बिना टांके के पूरी बच्चादानी सील देता है।

Registered@www.swaindia.org
2023-02-26 17:13:58
©Amjad Khan
SWA Membership Number:42295

आसपास देखते हुए जैसे कोई उसकी बात न सुन रहा हो।

JAHANAARA (CONT'D)
वो तो अच्छा है मैंने मौका देखकर पत्रिका मार दी तीन चार जनों की, काफिरों का क्या काम अपने यहाँ शादी मे?

ठिक तभी **तोमर सिंह राजपूत** (48) सफेद धोती-कुर्ते मे, बड़ा सा तिलक लगाए आँगन मे पहुंचता है। अम्मा को सलाम करते हुए, उनके पैर छूता है।

TOMAR SINGH
सलाम आलेकुम मम्मी जी।

जहांआरा बहुत खुशी के साथ, उसके सिर पर हाथ फेरते हुए उसे दुआ देती है।

JAHANAARA
अरे तोमर! कब आया तू ?

TOMAR SINGH
रात से जमात खाने पर ही हूँ, बकरे कटवा रहा था।

JAHANAARA
आमिल बताया नहीं ?

आमिल दूर से तोमर को आवाज लगाते हुए।

AAMIL
अरे चल यार, क्या बैठे-बैठे बाते मठार रहा है।

तोमर फोरन उठकर खड़ा हो जाता है और आमिल की तरफ़ लपकते हुए।

TOMAR SINGH
बहुत सारे काम है.. बाद मे बैठता आपके पास।
(to aamil)
आया भाईजान आया।

9. **INT. EXAMINATION CENTER - AFTERNOON**

बेल बजती है और इग्ज़ैमनर एक्शन मे आते हुए सभी से कॉपी लेने लगती है। अफ़रोज़ जल्दी-जल्दी लिखने की कोशिश करता है।

AFROZ
बस दो मिनट्स मेम।

Registered@www.swaindia.org
2023-02-26 17:13:58
©Amjad Khan
SWA Membership Number:42295

EXAMINER
Time is over sir.

इग्ज़ैमनर उसकी कॉपी ले लेती है।

10. **EXT. EXAMINATION CENTER - CONTINUOUS**

हनीफ़ बाहर कॅम्पस मे एक स्टूडेंट से बात कर रहा है। स्टूडेंट उसे 500 rs देता है। वो छोटा सा व्हाइट पैकेट स्टूडेंट को दे देता है। तभी अफ़रोज़ एक तरफ़ से आता है। उसे आता देखकर, हनीफ़ बाइक ready करता है। अफ़रोज़ मुह लटकाए पीछे बैठता है।

HANIF
बोल किधर लूँ ?

AFROZ
भूख लगी है तेज, होटल बिस्मिल्लाह ले ले।

11. **INT. RESTAURENT - LATER**

दोनों चिकन बिरयानी खा रहे है, टेबल पर अफ़रोज़ के खाने का टिफ़िन ऐसे ही खुला रखा है।

HANIF
(belching)
पास हो जाएगा इस बार?

AFROZ
क्यों बिरयानी का मज़ा खराब कर रहा है।

HANIF
मे तो कहता हूँ भाई सऊदी अरब निकल ले। तेरे दोनों भाई मिलकर नहीं कमा पाते इतना कमा लेगा तू।

AFROZ
उधर भी अब सब खतम है भाई। दो-चार साल का तेल और बचा है फ़िर शेख लोग भी इधर ही आएंगे काम को।

HANIF
तेरे को नौकरी लग नहीं रही शेख को कोन नौकरी देगा इधर?

AFROZ
एक बार पास हो जाऊँ, फ़िर दोनों भाई के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा होऊँगा। साला बहुत जलील हुआ हूँ।

Registered@www.swaindia.org
2023-02-26 17:13:58
©Amjad Khan
SWA Membership Number:42295

HANIF
भाई से याद आया आमिल भाई के यहाँ से शादी कार्ड आया था कब है शादी ?

इतना सुनकर अफ़रोज़ एकदम खड़ा हो जाता है, जैसे उसके पैरों तले ज़मीन खिसक गई हो।

12. **EXT. BIKE - LATER**

अफ़रोज़ काफ़ी स्पीड से रोड़ पर बाइक दौड़ा रहा है। जबकि हनीफ़ पीछे बैठा है।

HANIF
अबे आराम से चला, असर-मगरीब का निकाह ईशा मे ही होता है।

AFROZ
आमिल भाई है यार, टाइम के पक्के है, विदायी भी मिल जाए तो बड़ी बात है।

13. **EXT. ZAMAT KHANA - DUSK**

अफ़रोज़ की बाइक आकर रुकती है। जमात खाने के बाहर काफ़ी लोग गले मिल-मिलकर रो रहे है।

BIKE'S POV - दूर एक कार जा रही है जिस पर एक हार्ट बना है और उसमे लिखा है 'जुनेद हमराह जासमीन'

भाँजा **वसीम खां** (20) रोते हुए आता है, और अफ़रोज़ के गले लगता है। अफ़रोज़ बड़े-बुजुर्ग की तरह उसे हिम्मत देते हुए कहता है।

AFROZ
हिम्मत रख वसीम, ऐसा नहीं चलेगा।

WASIM
(whisper)
मामू थोड़ा सेंट मार लो और इलायची चबा लो। आमिल मामू ने सूंघ लिया न तो जूते मारकर तुम्हें विदा करेंगे।

Registered@www.swaindia.org
2023-02-26 17:13:58
©Amjad Khan
SWA Membership Number:42295

Certificate of Registration

This is to certify that I have registered this `Work` and as proof thereof is placed below my digital signature and seal of the Association with relevant details in the QR Code. (The aforesaid digital signature and QR code are present only on the copy of the Registration Certificate provided to the Work`s author).

ZAMAN HABIB
Hon. General Secretary
SWA

Author:
Amjad Khan
SWA Membership Number:
42295
Type of Creation:
Screenplay
Title of Creation:
Afroz
Date and Time
Sunday 2023-02-26 17:13:58
Transaction ID:
1677411703-79214180
Reference Number
112806364356

(Digitally Signed)

This registration is subject to the following Self Declaration by the author:

I, Amjad Khan, SWA Membership number 42295, hereby solemnly undertake and declare that,

A. I am the author of this literary/ dramatic work (Work). In the case of co-authorship work, I have taken permission from my co-authors before registration. Further, I have declared the name of the co-authors while registering the Work.
B. If I am the Author but not the Copyright Owner of the Work, I have taken due written permission from the Copyright Owner to register the Work.
C. If the Work is a derivative work, I have duly taken written permission from the original author/owner to create this derivative work.
D. I understand that the purpose of registering the Work with SWA is only to create a record of the date of the creation of my Work.
E. This Work (along with its underlying works) does not infringe the intellectual property rights or any other related rights of a person or entity. In case it is found the contrary, I understand that registration will automatically stand cancelled. Besides, I will be solely responsible for the legal and disciplinary consequences whatsoever.
F. I fully understand that any tampering with this document will make this registration null and void. I declare that I have duly read and understood the rules and regulations, and FAQs of SWA regarding the registration of a work and membership eligibility criteria.
G. I understand and acknowledge that SWA does not read, access, verify, make copies, store, etc. of any material/Work that I register with SWA.
H. All the information I have provided to SWA while registering this Work is true and accurate, and I have not concealed any material fact herewith.
I. I shall fully indemnify and defend SWA for any cost and losses incurred to SWA due to any proven claim of the infringement of copyright, personality right, privacy right, life right, defamation, related rights or any civil/criminal claims arising out of this registered Work by any person at any point of time.
J. I understand that the validity of SWA registration of any Work is based on and subject to this self- declaration. If I violate any of the above undertakings or SWA finds that any portion of this declaration is untrue, in that case, SWA is entitled to (a) cancel the registration immediately (b) take legal and disciplinary action against me. As a consequence of registration cancellation, I cannot use, transfer, store, distribute, make available to the public or exploit the registered Work in any manner whatsoever. Further, SWA shall not testify regarding the date of the registration in case of an authorship dispute.
K. I further affirm that I understand the content of this declaration and accept the same. I do not suffer from any legal and/or contractual incapacity/disability. All the information and statements mentioned hereinabove are true and correct to the best of my knowledge, belief and understanding. If anything mentioned above is incorrect, I understand it will be an offence of Perjury, and I will be solely responsible for the consequences arising thereafter Including but not limited to legal action, disciplinary action, cancellation of registration, publicly announcing the default wherever SWA deems appropriate, along with your details, or any other action as SWA deems fit.

This Self Declaration is an electronically generated document and does not require any physical signature.

©Amjad Khan
SWA Membership Number:42295